(ग) यदि हां, तो इस अध्ययन का क्या परिणाम निकला है और इस संबंध में सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है?

पर्यावरण और वन मंत्रालय के राज्य मंत्री: (कैप्टन जय नारायण प्रसाद निषाद): (क) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार गजरौला में स्थित उद्योगों से निकलने वाले बहिस्रावों से बगड नदी, जो गंगा नदी में मिलती है, में कुछ सीमा तक जल प्रदूषण की समस्या होती है। तथापि, भूमिगत जल प्रदूषण की रिपोर्ट नहीं दी गई है। गजरौला में निलम्बित धूलकणों के परिवेशी स्तर मानकों से अधिक पाए गए।

(ख) और (ग) उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गजरौला में उद्योगों की प्रदूषण नियंत्रण स्थिति की जांच की है। मैसर्स वाम आर्गेनिक कैमिकल्स ने अपेक्षित बहिस्राव शोधन संयंत्रों की स्थापना कर ली है। तीन पेपर उद्योगों में से एक के पास पर्याप्त बहिस्राव शोधन संयंत्र है और बाकी दो अपने विद्यमान बहिस्राव शोधन संयंत्रों में संशोधन कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974 की धारा 33क के अन्तर्गत दो पेपर मिलों को मानकों का पालन न करने के लिए उन्हें 10.5.1996 को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। मैसर्स वाम आर्गेनिक कैमिकल्स (डिस्टिलरी यूनिट) का मामला माननीय उच्चतम न्यायालय में लम्बित है।

Construction of overbridges in Gujarat

593. SHRIRAJUBHAI A. PARMAR: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) the number of ongoing projects of railway overbridges in Gujarat at present;

(b) the number of such overbridges completed during the last three years;

(c) whether Government have chalked out any further programme for construction of more overbridges in the State; and

(d) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS' (SHRI SATPAL MAHARAJ): (a) 6.

(b)l.

(c) and (d) The system of replacing a busy level crossing by a road over/under bridge is that the State Governments propose the works giving priorities. The Railways then examine the cases and include such of them in the Works Programme for which various pre-requisite formalities have been completed by the State Governments. The railways while including the works in the Works Programme, also take into account the quantum of existing sanctioned works for that particular state and the pace at which work on approaches of these works are being executed by the State Govt.

उर्वरक के उत्पादन में गिरावट

594. श्रीमती मालती शर्मा: क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिछले तीन वर्षों के दौरान उर्वरक के उत्पादन में गिरावट आ रही है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या कारण हैं;

(ग) सरकार उर्वरक के उत्पादन में वृद्धि करने हेतु क्या कदम उठाने का विचार रखती है;

(घ) क्या सरकारी क्षेत्र के उर्वरक उपक्रमों को घाटा हो रहा है; और

(ङ) यदि हां, तो गत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

रसायन और उर्वरक मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री शीश राम ओला): (क) और (ख) 1992-93 से उर्वरक पोषकों का उत्पादन नीचे दिया गया है:-

(लाख टन में)

वर्ष	नाइट्रोजन	फास्फेट
1992-93	74.30	23.06
1993-94	72.31	18.16
1994-95	79.45	24.93
1995-96	87.77	25.58

वर्ष 1992-93 के दौरान, नियंत्रणमुक्त किए जाने के परिणामस्वरूप फास्फेटिक उर्वरकों के मूल्यों में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई जिसके कारण फास्फेटिक उर्वरकों की खपत और उत्पादन में कमी हो गई। नाइट्रोजन पोषक के समग्र उत्पादन में भी कम्पलैक्स फास्फेटिक उर्वरकों से नाइट्रोजन के अंशदान में कटौती के कारण कमी दर्ज हुई। इस प्रवृत्ति में 1994-95 में बदलाव आया था।

(ग) उर्वरक उत्पादन में वृद्धि के लिए अपनाई गई रणनीति निम्नलिखित है:-